

केवल 8% मुंबईकरों को मिलता है 24/7 पानी

'मुंबई में नागरिक मुद्दों की स्थिति' नामक रिपोर्ट मंगलवार, 20 मई को प्रकाशित हुई



प्रजा फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई असमान पहुंच, बुनियादी ढांचे की विफलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों से चिह्नित एक पुराने जल संकट से जूझ रहा है। 'मुंबई में नागरिक मुद्दों की स्थिति' नामक रिपोर्ट मंगलवार, 20 मई को प्रकाशित हुई थी। (Praja foundation report Reveals [Mumbai's 5 Water Shortcomings](#))

रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई को सात जलाशयों से प्रतिदिन 4,370 मिलियन लीटर (एमएलडी) पानी मिलता है। फिर भी, पाइपलाइन के नुकसान के कारण केवल 3,975 एमएलडी ही घरों तक पहुँच पाता है। इसके परिणामस्वरूप 15% आपूर्ति का अंतर होता है। यह 689 एमएलडी की कमी है, जो लगभग 30 लाख अतिरिक्त निवासियों की सेवा कर सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पानी का वितरण असमान है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन केवल 45 लीटर (एलपीसीडी) पानी मिलता है, जो गैर-झुग्गी-झोपड़ियों में आपूर्ति की जाने वाली 135 एलपीसीडी का एक तिहाई है। चूंकि बहुत से झुग्गी-झोपड़ियों के घर निजी पानी के टैंकरों का उपयोग करते हैं, इसलिए उन्हें औसतन 729 रुपये प्रति व्यक्ति मासिक भुगतान करना पड़ता है। यह मीटर वाले घरों से 28 गुना ज़्यादा है।

असंगत जल आपूर्ति

मुंबई के 287 सेवा क्षेत्रों में जल आपूर्ति के घंटे भी अलग-अलग हैं। इनमें से केवल 8% क्षेत्रों को 24 घंटे की आपूर्ति मिलती है, जबकि 71% को प्रतिदिन चार घंटे से भी कम पानी मिलता है। वार्ड टी को चौबीसों घंटे पानी मिलता है, जबकि ए, बी और सी वार्ड में सबसे कम आपूर्ति अवधि है, जो औसतन प्रतिदिन 2.5 घंटे से भी कम है।

वाटर मीटरिंग में अंतर

मीटरिंग की कमी भी अक्षमताओं को बढ़ाती है। रिपोर्ट के अनुसार, 4% कनेक्शन बिना मीटर के रह गए हैं, ज़्यादातर पुरानी इमारतों और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में। ई, जी/एस, एच/डब्ल्यू और एम/डब्ल्यू वार्ड में बिना मीटर वाले उपयोगकर्ताओं की सबसे ज़्यादा हिस्सेदारी है।